PC-13943/NH

C/2111

उपनिषद्, दर्शन, साहित्य एवं व्याकरण

Opt. 2

(Semester-V)

(Private and DE)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

प्रथम–भाग

I. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मन्त्रों/गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करें :

(क) विश्वरूपं हरिणं जातवेदसं, परायणं ज्योतिरेकं तपन्तम्।
सहस्ररश्मि शतधः वर्तमानः प्राणः प्रजानामुदयत्येष सूर्यः।।

(ख) अरा इव रयनाभौ प्राणे सर्वं प्रतिष्ठितम्।
ऋचो यजूंषि सामानि यज्ञः क्षत्रं ब्रह्म च।।

(ग) आदित्यो ह वै प्राणो रयिरेव चन्द्रमा रयिर्वा एतत् सर्वं यन्मूर्तं चामूर्तं च तस्मान्मूर्तिरेव रयिः।

(घ) प्राणाग्नय एवैतस्मिन्पुरे जाग्रति। गार्हपत्यो ह वा एषोऽपानो व्यानोऽन्वाहार्यपचनो यदार्हपत्यात्प्रणीयते प्रणयनादाहवनीयः प्राणः।

(7½×2=15)

II. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखें:

(क) "उपनिषद्, आध्यात्मिक दर्शन के स्रोत हैं।" उपनिषद के प्रतिपाद्य विषयों का सविस्तार विवेचन करें।

(ख) श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार 'कर्मयोग' का विवेचन करें।

(15×1=15)

द्वितीय–भाग

III. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सविस्तार लिखें :

(अ) महर्षि वाल्मीकि।

(ब) भर्तुहरि। (15×1=15)

(ख) निम्नलिखित में से यथेच्छा किन्हीं **पाँच** शब्दों के साथ स्त्री प्रत्ययों का प्रयोग करें।

कृष्ण + टाप्, मूषक + टाप्, निपुण + टाप्, नर्तक + ङीष्, गोपालक + ङीष्, इन्द्र + ङीन्, गौर + ङीष्, सर्वक + टाप्, सुपर्ण + ङीन्, मानुष + ङीष्। (5×1=5)

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** धातुओं के साथ णिजन्त रूप बनाएँ :

भू + णिच्, हन् + णिच्, शक् + णिच्, गम् + णिच्, आप् + णिच्, दा + णिच्, वृत् + णिच्, लभ् + णिच्, कृ + णिच्, गुप् + णिच्,।

(5×1=5)

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें :

(i) शेर गर्जता है।

(ii) माता पुत्र को फल देती है।

(iii) हम सब नाचते हैं।

(iv) पुत्र पिता के साथ शहर गया।

(v) वह चलचित्र देखता है।

(vi) राम में सभी गुण हैं।

(vii) विवेकानन्द महान पुरुष थे।

(viii) श्रीकृष्ण को प्रणाम।

(ix) वहां कौन है?

(x) सदा सत्य बोलो। (5×1=5)

तृतीय–भाग

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के लघूत्तर दीजिए :

(क) बाणभट्ट की कृतियों के नाम लिखकर संक्षिप्त परिचय लिखें?

(ख) महाकवि कालिदास द्वारा विरचित रचनाओं का विवरण दें।

(ग) 'उपनिषद्' का अर्थ लिखें।

(घ) प्रश्नोपनिषद् के अनुसार चौथे प्रश्न का विषय स्पष्ट करें।

(ङ) प्रश्नोपनिषद् के अनुसार **पाँच** प्राणों का वर्णन करें।

(च) श्रीमद्भगवदगीता के अनुसार 'स्थिरबुद्धि' का क्या लक्षण है।

(छ) जयदेव का सामान्य परिचय लिखकर उसकी कृतियों के नाम लिखें।

(ज) रुद्, प्रच्छ्, ज्ञा व वृध् धातुओं के साथ णिजन्त प्रत्यय लगाकर रूप बनाएँ।

(झ) महर्षि वाल्मीकि को 'आदिकवि' तथा रामायण को 'आदिकाव्य' क्यों कहा जाता है?

(ञ) श्रीमद्भगवदगीता में कितने अध्याय व कितने श्लोक हैं। अध्यायों का विभाजन किस प्रकार किया गया है?

(4×10=40)